University in News on 06 June 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

नवाचार से बदला गणित | लविवि में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने बनाई मशीन

लोहा काटने की लखटकिया मशीन अब 13 हजार में

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने बेहद कम लागत में अब्रासिव जेट मशीन (लोहे की कटाई के लिए) का निर्माण किया है। यह मशीन विशेष रूप से कठोर और भंगुर पदार्थों की सटीक कटाई के लिए विकसित की गई है।

इस प्रोजेक्ट का मार्गदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार राय ने किया है। उन्होंने दावा किया कि बाजार में जहां इस प्रकार की मशीन की कीमत 1 से 1.5 लाख रुपये तक होती है, वहीं छात्रों ने इसे महज 13 हजार रुपये की लागत में तैयार किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के छात्रों ने बनाई मशीन। स्रोत: विवि

तकनीकी दक्षता और नवाचार का उदाहरण

प्रोजेक्ट को डॉ. प्रवीण कुमार राय के मार्गदर्शन में बीटेक छात्रों जागृत प्रताप सिंह, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत और मानवेंद्र प्रताप ने तैयार किया है। लविवि के न्यू कैंपस में प्लेसमेंट सेल के अपर निदेशक डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि इस परियोजना से छात्रों की तकनीकी दक्षता और लागत प्रभावी सोच का परिचय मिलता है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने टीम को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी हैं।

आधुनिक निर्माण तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी मिलेगी

डीन प्रो. ए.के. सिंह ने बताया कि इस मशीन का उपयोग विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रदर्शन और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के लिए किया जाएगा। इससे आने वाले छात्रों को आधुनिक निर्माण तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी मिलेगी। यह प्रोटोटाइप विश्वविद्यालय के अनुसंधान कार्यों में सहायक उपकरण के रूप में भी कार्य करेगा।

ऐसे हुआ निर्माण

डॉ. हिमांशु के अनुसार, मशीन के निर्माण में वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दबाव नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वाल्व और वायु वाहक पाइप जैसे यंत्रों का समावेश किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य नॉन-कॉन्वेंशनल मशीनिंग तकनीकों से छात्रों को जोड़ना है।

अभिनवगुप्त की प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनवगुप्त की जन्म जयंती निर्जला एकादशी पर अभिनवगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसफी संकाय में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान अनुष्ठान पूजन और अभिनव लक्ष्य प्रशिक्षण कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन भी हुआ। डीन प्रोफेसर भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि आचार्य अभिनवगुप्त तंत्र, आगम, दर्शन, कलाशास्त्र आदि के विश्व मान्य आचार्य और गुरु रहे हैं। एलयू में संस्थान की स्थापना विश्व प्रसिद्ध विद्वान प्रो. कांति चंद्र पांडेय ने की थी। इस मौके पर शोधार्थी रवि प्रकाश मिश्र, गंगा तिवारी समेत कई अन्य उपस्थित रहे। (संवाद)

लखनऊ विश्वविद्यालय में योग करती छात्राएं। स्रोत: विवि

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है योग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत सामूहिक योगाभ्यास हुआ। योग सभागार में स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। योग प्रशिक्षक डॉ. राम किशोर ने ताड़ासन, नटराजासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, त्रिकोणासन, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली, शीतकारी प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। इसी क्रम में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू छात्रों ने सस्ती जेट मशीन बनाई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संकाय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के छात्रों ने कम लागत वाली अब्रासिव जेट मशीन तैयार की है। यह विशेष रूप से कठोर और भंगुर पदार्थों की सटीक कटाई के लिए विकसित की गई है।

इसमें वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दबाव नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वाल्व, वायु वाहक पाइप आदि तकनीकी विशेषता शामिल हैं। संकाय अध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने बताया कि प्रोटोटाइप विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रदर्शन और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों की बेहतर समझ मिल सकेगी। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों को इस तरह के कम लागत वाले तकनीकी प्रयोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। संकायाध्यक्ष का कहना है कि मशीन को विकसित करने वाली टीम में जागृत, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत व मानवेंद्र शामिल हैं। परियोजना का मार्गदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार राय ने किया। मशीन की बाजार में कीमत एक से 1.5 लाख रुपये तक है। छात्रों ने महज 13,000 में बनाया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संकाय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के छात्रों ने कम लागत वाली मशीन बनाई। जो विभिन्न उपयोग में आएगी।

NBT PAGE 4

लचीलेपन और संतुलन के लिए जरूर करें ताड़ासन

■ NBT न्यूज, लखनऊ: ताड़ासन एक सरल और प्रभावशाली योगासन है, जो मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ाकर शरीर में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इस आसन में शरीर के विभिन्न अंगों और मांसपेशियों को ऊपर की ओर खींचा जाता है, जिससे उनमें खिंचाव आता है और लचीलापन विकसित होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमरजीत यादव के अनुसार, ताड़ासन का नियमित अभ्यास न केवल शरीर को लचीला बनाता है, बल्कि तंत्रिका तंत्र को भी सक्रिय करता है, जिससे शारीरिक संतुलन में सुधार होता है।

ताड़ासन से तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है

अतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 को

ताड़ासन कैसे करें?

- सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को एक साथ रखें, हाथ शरीर के बगल में हों।
- गहरी सांस लेते हुए उंगलियों को आपस में जोड़ें और हाथों को सिर के ऊपर उठाएं।
- अब एड़ियों को ऊपर उठाएं और शरीर का पूरा वजन पंजों पर संतुलित करें।
- गहरी सांस लेते हुए शरीर को धीरे-धीरे ऊपर की ओर खींचें और इस स्थिति में 10-15 सेकंड तक रोकें।
- फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में लौट आएं।

ये लोग न करें

- गर्भवती महिलाएं, ताड़ासन न करें क्योंकि इससे पेट और पीठ के निचले हिस्से में दबाव पड़ता है।
- चक्कर, सिरदर्द की समस्या हो, उन्हें इस आसन से परहेज करना चाहिए।
- कब्ज या फेफड़ों से जुड़ी किसी गंभीर समस्या से पीड़ित लोग भी यह योगासन न करें।

प्राणायाम का सर्वोत्तम समय: प्राणायाम करने का सबसे उपयुक्त समय ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय से पहले का समय होता है। हालांकि, यदि आप सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं तो दिन में किसी भी समय जागने के बाद भी प्राणायाम कर सकते हैं, बस पेट खाली हो।

JAGRAN CITY PAGE III

एक वर्ष के अंदर ही बदल सकेंगे शोध पर्यवेक्षक

लखनऊ विश्वविद्यालय के **जंतु विज्ञान विभाग** की बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में लिया गया निर्णय

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में पीएच.डी करने वाले छात्र-छात्राएं अपने शोध पर्यवेक्षक या सह पर्यवेक्षक बदलना चाहते हैं तो उन्हें पंजीकरण के एक साल के अंदर ही आवेदन देना होगा। इसके साथ पर्यवेक्षक या सह पर्यवेक्षक की अनापत्ति भी जरूरी होगी। अन्यथा आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। हाल ही में हुई जन्तु विज्ञान विभाग की बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

दरअसल, लवि के पीएच.डी अध्यादेश के तहत पीएच.डी छात्र-छात्रा को अपनी शोध अवधि के बीच सिर्फ एक बार शोध पर्यवेक्षक बदलने का अधिकार प्राप्त है। अब समिति ने तय किया है कि विद्यार्थी को शोध पर्यवेक्षक एवं सह पर्यवेक्षक के परिवर्तन के लिए एक साल के अंदर ही आवेदन आना अनिवार्य है। इसके अलावा यह भी तय हुआ कि शोध पर्यवेक्षक अथवा सह पर्यवेक्षक का परिवर्तन तभी संभव होगा जब वह इस परिवर्तन को करने का पूर्ण व सही औचित्य देंगे।

...तो नहीं रह पाएंगे सह पर्यवेक्षक : यदि शोध पर्यवेक्षक अपने शोधार्थी को अन्य पर्यवेक्षक को देना चाहते हैं एवं स्वयं सह पर्यवेक्षक बनना चाहते हैं तो ऐसी स्थिति में मुख्य शोध पर्यवेक्षक को परिवर्तित करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन सह पर्यवेक्षक बनाने पर विचार नहीं किया जाएगा। उनका शोधार्थी से कोई मतलब भी नहीं रह जाएगा।

18 शोधार्थियों को दिया शोध पूरा करने का समय : बैठक में 18 शोध छात्र-छात्राओं को अपना शोध कार्य पूरा करने के लिए समय विस्तार देने पर सहमति दी गई। इनमें छात्र-छात्राएं सत्र 2018-19 और तीन छात्र-छात्राएं सत्र 2019-20 के शामिल हैं। बैठक में कई विद्यार्थियों की ओर से अपना शोध पर्यवेक्षक व सह पर्यवेक्षक बदलने के लिए दिए गए आवेदन पत्र पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा एसोसिएट प्रोफेसर डा. अमित त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में पंजीकृत छात्र सुप्रीम मौर्य (सत्र 2023-24) ने व्यक्तिगत कारणों से अपना पंजीकरण निरस्त करने के लिए आवेदन किया है, जिस पर समिति ने अपनी सहमति दी।

पर्यवेक्षक या सह पर्यवेक्षक की अनापत्ति भी होगी जरूरी, इसके बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा

प्रयोगात्मक परीक्षा नौ का

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने बी.ए. बी.पी.एड और एम.पीएड के छूटे हुए छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि तय कर दी है। यह परीक्षाएं नौ जून को सुबह छह बजे शारीरिक शिक्षा विभाग के छत्रपति शिवाजी मैदान में होंगी। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रुपेश कुमार ने बताया कि सभी छात्र-छात्राएं किट और फाइल के साथ अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। इसके बाद कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। (जासं)

लवि में हुआ सामूहिक योग अभ्यास

लवि के द्वितीय परिसर में शुक्रवार को छात्र-छात्राओं ने योग अभ्यास किया • लवि

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग के सभागार में शुक्रवार को स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित करने के लिए सामूहिक योगभ्यास का आयोजन किया गया।

संकाय के कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। स्वास्थ्य के अभाव में किसी भी प्रकार की उन्नति नहीं हो सकती। आसनों के अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बढ़ता है। ध्यान के अभ्यास से मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक डा. राम किशोर ने ताड़ासन, नटराजासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, त्रिकोणासन तथा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली, शीतकारी प्राणायाम का अभ्यास भी कराया।

बीएलएड दूसरे वर्ष की परीक्षाएं 11 से : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएलएड दूसरे वर्ष की बैक पेपर परीक्षाएं 11 व 13 जून को आयोजित की जाएंगी। इसकी समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की गई है। परीक्षा का समय सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे तक रहेगा।

बीटेक के छात्रों ने 13 हजार में बना दी अब्रासिव जेट मशीन

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बी.टेक अंतिम वर्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक अभिनव उपलब्धि हासिल करते हुए कम लागत वाली अब्रासिव जेट मशीन तैयार कर ली है। यह मशीन विशेष रूप से कठोर पदार्थों की सटीक कटाई के लिए विकसित की गई है। इस मशीन को बनाने वालों की टीम में जागृत प्रताप सिंह, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत एवं मानवेंद्र प्रताप शामिल हैं।

इस परियोजना का मार्गदर्शन डा. प्रवीण कुमार राय ने किया। इस प्रकार की मशीन की बाजार कीमत एक लाख से 1.5 लाख रुपये तक होती है। वहीं, इन छात्रों ने सिर्फ 13,000 की लागत में इसे बना दिया, जो न केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण है, बल्कि किफायती नवाचार की मिसाल भी है। इस मशीन का निर्माण वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दबाव नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वाल्व, वायु वाहक पाइप आदि तकनीकी युक्तियों को संयोजित कर किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को नान कांवेंशनल मशीनिंग तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मशीन के सफल परीक्षण के बाद टीम को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों और शिक्षकों को इस प्रकार के कम लागत वाले तकनीकी प्रयोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे नवाचार को बल मिले।

विद्यार्थियों का यह प्रोटोटाइप विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रदर्शन और हैंड्स-आन ट्रेनिंग के लिए उपयोग किया जाएगा, जिससे आने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों की बेहतर समझ मिल सकेगी। साथ ही यह माडल भविष्य में विश्वविद्यालय में चल रहे अनुसंधानों के लिए सहायक उपकरण की तरह कार्य करेगा। -प्रो. एके सिंह, अधिष्ठाता, इंजीनियरिंग संकाय

एआइएच की पढ़ाई...अतीत की खोज, रहस्यों का गढ़

- लखनऊ विश्वविद्यालय है प्राचीन भारतीय इतिहास की पढ़ाई का अच्छा विकल्प

जागरण संवाददाता • लखनऊ : यदि आप प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति में रुचि रखते हैं, तो 12वीं के बाद पढ़ाई के लिए यह कोर्स आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस विषय में भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के बारे में गहराई से समझने, विशेष रूप से सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक काल, मौर्य व गुप्त साम्राज्य के बारे में जानने का मौका मिलता है। छात्र-छात्राएं पुरातात्विक साक्ष्यों जैसे स्मारक, शिलालेख, प्राचीन सिक्कों के रहस्य के साथ और अन्य अवशेषों का विश्लेषण करना भी सीखते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में इसकी बेहतर पढ़ाई होती है। इसी वजह से यहां के काफी छात्र-छात्राएं संघ लोक सेवा आयोग, विभिन्न राज्यों के लोक सेवा आयोग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से लेकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफल हुए हैं।

विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं सूचना प्रकाशन एवं जनसंपर्क केंद्र के निदेशक प्रोफेसर दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि प्राचीन भारतीय इतिहास (एआइएच) की पढ़ाई लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना काल से ही इतिहास विभाग में शुरू हो गई थी, लेकिन वर्ष 1956 में इसे एक स्वतंत्र विभाग के रूप में स्थापित किया गया, जिसका नाम प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग रखा गया। यह विभाग देश के उन पहले इतिहास विभागों में से एक है जिसने पुरातत्व में पूर्ण पाठ्यक्रम शुरू किया। प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से यह विषय बहुत उपयोगी है। हम अपने कोर्स में विद्यार्थियों को प्राचीन भारत में धर्म, मूर्तिकला, वास्तुकला, प्राचीन सिक्के, प्राचीन नगरों से लेकर प्राचीन भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पाषाण काल, क्षेत्रीय पुरातत्व, प्राचीन स्थलों का उत्खनन और अन्वेषण के विषय में पढ़ाते हैं। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, हस्तिनापुर आदि प्राचीन नगरों की स्थापना, उसके हर पहलू से रूबरू कराते हैं।

एक नजर में कालेज

- स्थापना: वर्ष 1956
- संस्थापक अध्यक्ष: इतिहासकार प्रो. सीडी चट्टोपाध्याय
- शिक्षक: 11
- यूजी, पीजी, पीएचडी में विद्यार्थी: 1323
- सुविधा: प्राचीन संग्रहालय, लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास
- राज्य सरकार से सेंटर आफ एक्सीलेंस मिला: वर्ष 2012

प्रमुख है संग्रहालय

विभाग में एक अध्ययन संग्रहालय भी बना है, जिसमें पाषाण काल से लेकर मध्यकाल की सामग्री जैसे कुल्हाड़ी, स्कैपर, मथुरा शैली की मूर्तियां, गांधार शैली की मूर्तियां, बुद्ध की प्रतिमा, खोदाई से प्राप्त विभिन्न कालों की सामग्री, कुषाण काल, मध्य काल के सिक्के भी मौजूद हैं। छात्रों को मूर्तियां, मृदभांड (मिट्टी के बर्तन), कार्ले चैत्यगृह, सांची स्तूप, महाबलीपुरम के मंदिरों की प्रतिकृति देखने को भी मिलती है। यहां भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर का माडल भी मौजूद है। यह वीजे आकर्षण का केंद्र है। नए सत्र से अन्वेषण और उत्खनन जैसे कार्य करने की योजना है।

ये रहे विभाग के नामी शिक्षक

इतिहासकार प्रो. सीडी चट्टोपाध्याय (शिलालेख व सिक्कों के अध्ययन विशेषज्ञ), प्रो. आरके दीक्षित (चंदेल वंश के इतिहास पर महत्वपूर्ण कार्य करने वाले), प्रो. बीएन पुरी (इतिहासकार), प्रो. वीएन श्रीवास्तव (कला और वास्तुकला के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त), प्रो. केके थपल्याल (प्रतिष्ठित शिलालेख विद), प्रो. एसएन कपूर (इतिहासकार), प्रो. डीपी तिवारी (इतिहासकार एवं पुराविद) सहित अन्य।

पूर्व प्रमुख छात्र

- जेपी जोशी, पूर्व महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
- एमसी जोशी, पूर्व महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
- प्रदीप केएन दीक्षित, पूर्व संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
- डा. आर एस बिष्ट, पूर्व संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
- डा. रचना सिंह, आइपीएस, पांडुचेरी
- पल्लवी मिश्रा, उप आवास आयुक्त पीसीएस), आवास विकास परिषद, लखनऊ
- दीपक गुप्ता, एसडीएम, संत कबीर नगर
- सुधीर जायसवाल, अपर पुलिस अधीक्षक, उप्र
- महेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश
- प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह, प्राचार्य, नेशनल पीजी कालेज, लखनऊ
- डा. राजवीर सिंह कश्यप, अधीक्षक, वस्तु एवं सेवा कर, मुंबई।
- डा. मोहन चंद जोशी, उप अधीक्षण, पुरातत्वविद (भोपाल मंडल)
- निकिता चंद्रा, उप अधीक्षण, पुरातत्वविद (लखनऊ मंडल)
- डा. अखिलेश कुमार, वरिष्ठ डाक अधीक्षक, बरेली
- डा. राजेंद्र यादव, अधीक्षण, पुरातत्वविद।

हमारा कोर्स कंटेंट राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार अपडेट है। सिविल सेवा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी लिए यह अच्छा विषय भी है। कोर्स में अयोध्या, मथुरा, बनारस सहित प्राचीन काल में प्रसिद्ध जगहों को रखा है। उसका महत्व, निर्माण से सहित सभी जानकारी विद्यार्थियों को दी जाती है। शोध पर भी हमारा फोकस होता है। विद्यार्थियों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन सिखाते हैं ताकि सेमिनार व कांफ्रेंस में प्रस्तुति का तरीका सीख सकें।
-प्रोफेसर अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व

इन शिक्षकों का योगदान

प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव, प्रो. ममता मिश्रा, प्रो. पीयूष भार्गव, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, डा. अमित्य गौरव, सहित अन्य।

आचार्य अभिनवगुप्त की मूर्ति का अनावरण

जासं • लखनऊ : आचार्य अभिनवगुप्त की जन्म जयंती पर निर्जला एकादशी के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त इंस्टीट्यूट आफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी संकाय में आचार्य अभिनवगुप्त की प्रतिमा का अनावरण कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने किया। आचार्य अभिनवगुप्त तन्त्र, आगम, दर्शन, कलाशास्त्र आदि के विश्व मान्य आचार्य और गुरु रहे हैं। उनके पूर्वजों को उनकी विद्वता के कारण कश्मीर के राजा ललितादित्य, उत्तर प्रदेश से सम्मान सहित शारदा देश काश्मीर ले गये थे।

लविवि में छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में, 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन के क्रम में, योग सभागार में स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित करने के लिए सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। संकाय के कॉर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। स्वास्थ्य के अभाव में किसी भी प्रकार की उन्नति नहीं हो सक्ती। आसनों के अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बढ़ता है और ध्यान के अभ्यास से मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। योग प्रशिक्षक डॉ राम किशोर के द्वारा ताड़ासन, नटराजासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, त्रिकोणासन तथा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली, शीतकारी प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। ध्यान के उपरान्त सत्र का समापन किया गया।

i-NEXT PAGE 6

एलयू के स्टूडेंट्स ने डेवलप की अब्रासिव जेट मशीन

रफ एंड ब्रिटल चीजों की कटाई के लिए डेवलप की मशीन

LUCKNOW (6 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के मैकेनिकल इंजीनियरिंग लास्ट ईयर के स्टूडेंट्स ने एक बेहतरीन उपलब्धि हासिल करते हुए कम लागत वाली अब्रासिव जेट मशीन का सफल निर्माण किया है. जिसका यूज विशेष रुप से रफ एंड ब्रिटल चीजों की कटाई के लिए किया जाता है. इस मशीन को डेवलप करने वाली टीम में जागृत प्रताप सिंह, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत और मानवेंद्र प्रताप शामिल हैं. इस टीम का मार्गदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार राय ने किया.

मार्केट से कम कीमत

एलयू स्टूडेंट्स द्वारा डेवलप की गई इस मशीन की बाजार कीमत 1 लाख से 1.5 लाख रुपए तक होती है. जबकि इन स्टूडेंट्स ने केवल 13 हजार रुपए की लागत में ही इस मशीन का निर्माण कर लिया है, जो न केवल टेक्निकल इंटेलीजेंस का एग्जाम्पल है बल्कि इकोनॉमिकल इनोवेशन की भी मिसाल है. इसका निर्माण वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दवाब नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वॉल्व, वायु वाहक पाइप आदि तकनीकी युक्तियों को संयोजित कर किया गया है. जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को नॉन कन्वेंशनल मशीनिंग टेक्निक्स की जानकारी देना है.

AMRIT VICHAR PAGE 5

विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में योग का अभ्यास करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित करने को कराया योगाभ्यास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने और जीवन शैली जनित बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के क्रम में योग सभागार में स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित करने के लिए सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। संकाय के कॉर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि स्वास्थ्य व रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। स्वास्थ्य के अभाव में किसी भी प्रकार की उन्नति नहीं हो सकती। आसनों के अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बढ़ता है और ध्यान के अभ्यास से मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। योग प्रशिक्षक डॉ. राम किशोर के द्वारा ताड़ासन, नटराजासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, त्रिकोणासन तथा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली, शीतकारी प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। ध्यान के उपरान्त सत्र का समापन किया गया।

आचार्य अभिनव गुप्त की मूर्ति का अनावरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: महामाहेश्वर अभिनवगुप्त की जन्म जयंती निर्जला एकादशी के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ ऐस्थेटिक्स व शैव फिलॉसफी संकाय में आचार्य अभिनव गुप्त की प्रतिमा का अनावरण कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। आचार्य अभिनव तंत्र, आगम, दर्शन, कलाशास्त्र आदि के विश्व मान्य आचार्य और गुरु रहे हैं। उनके पूर्वजों को उनकी विद्वता के कारण कश्मीर के राजा ललितादित्य, उत्तर प्रदेश से सम्मान सहित शारदा देश कश्मीर ले गए थे।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज व अन्य।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ ऐस्थेटिक्स एण्ड शैव फिलॉसफी संस्थान की स्थापना विश्वप्रसिद्ध विद्वान प्रो. कान्ति चन्द्र पांडेय ने की थी। आचार्य अभिनव गुप्त के विपुल तान्त्रिक साहित्य को खोज निकालने को श्रेय भी इन्हें ही प्राप्त है। अभिनव गुप्त के समावेशी दर्शन के विकसित भारत की दृष्टि से महत्व को देखते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के प्रयासों से सितंबर 2021 में इसे अभिनव गुप्त संकाय के रूप में उच्चीकृत कर दिया था। मूर्ति के अनावरण से पूर्व तन्त्रागम पद्धति से अनुष्ठान पूजन का आयोजन किया गया। तदुपरान्त विधि-विधानसहित मूर्ति का अनावरण किया गया। संकायाध्यक्ष प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज के अतिरिक्त बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक तथा छात्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

PIONEER PAGE 3

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने विकसित की कम लागत में अब्रासिव जेट मशीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अंतिम वर्ष के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक अभिनव उपलब्धि हासिल करते हुए कम लागत वाली अब्रासिव जेट मशीन का सफल निर्माण किया है। यह मशीन विशेष रूप से कठोर और भंगुर पदार्थों की सटीक कटाई के लिए विकसित की गई है।

इस मशीन को विकसित करने वाली टीम में जागृत प्रताप सिंह, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत एवं मानवेंद्र प्रताप शामिल हैं। इस परियोजना का मार्गदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार राय द्वारा किया गया। जहां इस प्रकार की मशीन की बाजार कीमत 1 लाख से 1.5 लाख रुपये तक होती है, वहीं इन छात्रों ने इसे महज 13,000 की लागत में विकसित किया है, जो न केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण है बल्कि किफायती नवाचार की मिसाल भी है। इस मशीन का निर्माण वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दबाव नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वाल्व, वायु वाहक पाइप आदि तकनीकी युक्तियों को संयोजित कर किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को नॉन-कॉन्वेंशनल मशीनिंग तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना है। मशीन के सफल परीक्षण के उपरांत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों और शिक्षकों को इस प्रकार के कम लागत वाले तकनीकी प्रयोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे नवाचार को बल मिले। संकायाध्यक्ष प्रो. ए. के. सिंह ने जानकारी दी कि यह प्रोटोटाइप विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रदर्शन तथा हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के लिए उपयोग किया जाएगा, जिससे आने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों की बेहतर समझ मिल सकेगी।

आसनों के अभ्यास से बढ़ता है शारीरिक स्वास्थ्य

लखनऊ। लविवि के योग विभाग के तत्वाधान में, 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन के क्रम में शुक्रवार को योग सभागार में स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित करने के लिए सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। संकाय के कॉर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। स्वास्थ्य के अभाव में किसी भी प्रकार की उन्नति नहीं हो सक्ती। आसनों के अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बढ़ता है और ध्यान के अभ्यास से मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रों ने विकसित की अब्रासिव जेट मशीन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अंतिम वर्ष के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक अभिनव उपलब्धि हासिल करते हुए कम लागत वाली अब्रासिव जेट मशीन का सफल निर्माण किया है। यह मशीन विशेष रूप से कठोर और भंगुर पदार्थों की सटीक कटाई के लिए विकसित की गई है।

इस मशीन को विकसित करने वाली टीम में जागृत प्रताप सिंह, अमितेश, शशांक शेखर, लक्ष्य राजपूत एवं मानवेंद्र प्रताप शामिल हैं। इस परियोजना का मार्गदर्शन डॉ. प्रवीण कुमार राय द्वारा किया गया। जहां इस प्रकार की मशीन की बाजार कीमत ?1 लाख से ?1.5 लाख रुपये तक होती है, वहीं इन छात्रों ने इसे महज ?13,000 की लागत में विकसित किया है, जो न केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण है बल्कि किफायती नवाचार की मिसाल भी है।

इस मशीन का निर्माण वायुसंपीडक, मिक्सिंग चेंबर, उच्च दबाव नोजल, प्रेशर गेज, ब्लो वाल्व, वायु वाहक पाइप आदि तकनीकी युक्तियों को संयोजित कर किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को नॉन-कॉन्वेंशनल मशीनिंग तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना है। मशीन के सफल परीक्षण के उपरांत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों और शिक्षकों को इस प्रकार के कम लागत वाले तकनीकी प्रयोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे नवाचार को बल मिले।

संकायाध्यक्ष प्रो. ए. के. सिंह ने जानकारी दी कि यह प्रोटोटाइप विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रदर्शन तथा हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के लिए उपयोग किया जाएगा, जिससे आने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों की बेहतर समझ मिल सकेगी।

साथ ही यह मॉडल भविष्य में विश्वविद्यालय में चल रहे अनुसंधानों के लिए सहायक उपकरण की तरह कार्य करेगा। इस अवसर पर विभागीय समन्वयक डॉ. कमलेश तिवारी सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

आचार्य अभिनव गुप्त की मूर्ति का अनावरण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। महामाहेश्वर अभिनवगुप्त की जन्म जयन्ती निर्जला एकादशी के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त इंस्टीट् ?यूट ऑफ ऐस्थेटिक्स एण्ड शैव फिलॉसफी संकाय में आचार्य अभिनवगुप्त की प्रतिमा का अनावरण माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया।

आचार्य अभिनवगुप्त तन्त्र, आगम, दर्शन, कलाशास्त्र आदि के विश्व मान्य आचार्य और गुरु रहे हैं। उनके पूर्वजों को उनकी विद्वत्ता के कारण कश्मीर के राजा ललितादित्य, उत्तर प्रदेश से सम्मान सहित शारदा देश काश्मीर ले गये थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनवगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ ऐस्थेटिक्स एण्ड शैव फिलॉसफी संस्थान की स्थापना विश्वप्रसिद्ध विद्वान प्रो. कान्ति चन्द्र पाण्डेय ने की थी। आचार्य अभिनवगुप्त के विपुल तान्त्रिक साहित्य को खोज निकालने को श्रेय भी इन्हें ही प्राप्त है।

अभिनवगुप्त के समावेशी दर्शन के विकसित भारत की दृष्टि से महत्व को देखते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के प्रयासों से सितम्बर 2021 में इसे अभिनवगुप्त संकाय के रूप में उच्चीकृत कर दिया था। मूर्ति के अनावरण से पूर्व तन्त्रागम पद्धति से अनुष्ठान पूजन का आयोजन किया गया। तदुपरान्त विधि-विधानसहित मूर्ति का अनावरण किया गया। संकायाध्यक्ष प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज के अतिरिक्त बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक तथा छात्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अभिनव लक्ष्य प्रशिक्षण कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन भी कुलपति द्वारा इस अवसर पर किया।